जिले के 60 फीसदी 108 एम्बुलेंस,जननी वाहन खटारा

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था ध्वस्त, 60 प्रतिशत एंबुलेंस खटारा, मरीज भगवान भरोसे, आपातकालीन सेवा पर सीधा असर

नवभारत न्यूज

सिंगरौली,28 मार्च । जिले में संचालित 108 एंबुलेंस और जननी वाहनों की स्थिति बेहद चिंताजनक हो चुकी है। करीब तीन दर्जन वाहनों में से लगभग 60 फीसदी लंबे समय से खराब हैं। कई एंबुलेंस महीनों से सड़कों पर उतरने की बजाय खड़ी-खड़ी जंग खा रही हैं, जिससे आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं पूरी तरह चरमरा गई हैं।

108 एंबुलेंस सेवा को आम जनता के लिए जीवन रेखा माना जाता है, लेकिन मौजूदा हालात में मरीजों को समय पर अस्पताल पहुंचाना मुश्किल हो गया है। खासतौर पर ग्रामीण इलाकों में स्थिति और भी भयावह है, जहां एंबुलेंस की अनुपलब्धता के कारण मरीजों को निजी वाहनों या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ रहा है। कई मामलों में समय पर इलाज न मिलने से गंभीर परिणाम सामने आने की आशंका बढ़ गई है। वहीं जननी एक्सप्रेस सेवा, जो गर्भवती महिलाओं को अस्पताल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए चलाई जाती है, वह भी बदहाल है। कई वाहन खराब होने के कारण प्रसव पीड़ित महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। समय पर अस्पताल न पहुंच पाने की वजह से मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य पर गंभीर खतरा उत्पन्न हो रहा है। एम्बुलेंस सेवा संचालित करने वाली कंपनी जय अंबे इमरजेंसी सर्विसेज पर गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि कंपनी वाहनों के रखरखाव को लेकर पूरी तरह उदासीन बनी हुई है। लंबे समय से खराब पड़े वाहनों की मरम्मत तक नहीं कराई जा रही, जिससे यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर जिम्मेदारी तय क्यों नहीं की जा रही। साथ ही यह भी आरोप सामने आ रहे हैं कि कंपनी को समय पर भुगतान नहीं मिलने के कारण सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। कुछ लोगों का मानना है कि प्रदेश सरकार स्वास्थ्य सेवाओं में खर्च कम करने की नीति पर काम कर रही है, जिसके चलते ऐसी स्थिति उत्पन्न हो रही है। हालांकि इस संबंध में अब तक कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

कंपनी नहीं है गंभीर, स्वास्थ्य सेवा पर असर

आरोप लगाया जा रहा है कि जय अम्बे इमरजेंसी एम्बुलेंस कंपनी गंभीर नही है। करीब 80 फीसदी इमरजेंसी वाहनों के खराब होने पर तरह-तरह के सवाल खड़े किये जा रहे हैं। चर्चा इस बात की है कि जब इतनी संख्या में एम्बुलेंस एवं जननी वाहन खराब हैं, फिर भोपाल में बैठे स्वास्थ्य विभाग का आलाधिकारी क्या कर रहे हैं। कंपनी पर दबाव बनाने से पीछे क्यों हट रहे हैं या फिर यह भी सवाल उठाया जा रहा है कि कंपनी अपनी कमियों को छुपाई हुई है और इसकी मॉनिटरिंग करने वाले स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी आलाधिकारियों तक बात नही पहुंचा रहे हैं। जिसके चलते 108 एम्बुलेंस एवं जननी वाहनों की यह हालत हुई है। यहां बताते चले कि सिंगरौली जिला का अधिकांश भाग ग्रामीण क्षेत्रों में है। जिसके चलते यहां भोगौलिक स्थिति अलग है। इस लिहाज से इमरजेंसी वाहनों को ठीक-ठाक रखना चाहिए।

जिले की स्वास्थ्य व्यवस्थाएं अस्त-व्यस्त

इसी मुद्दे को लेकर विपक्षी दल कांग्रेस नेता एवं पूर्व जिलाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र द्विवेदी ने प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस नेता का कहना है कि सरकार की लचर स्वास्थ्य व्यवस्था के कारण आम जनता की जान जोखिम में पड़ गई है। उन्होंने मांग की है कि खराब एंबुलेंस वाहनों को तत्काल दुरुस्त किया जाए और स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। जिले में एंबुलेंस सेवाओं की बदहाली ने स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले दिनों में हालात और भी गंभीर हो सकते हैं, जिसका सीधा असर आम नागरिकों की जिंदगी पर पड़ेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार भले ही कुछ भी दावा करें, लेकिन धरातल पर स्वास्थ्य व्यवस्था अस्त-व्यस्त है।

नामांकन में लापरवाही पर सख्ती, डीईओ का नोटिस

सूदा,कन्या बैढ़न एवं निवास के प्रभारी प्राचार्य को नोटिस

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च । जिले में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के प्रवेश एवं नामांकन कार्य में लापरवाही बरतने पर डीईओ सिंगरौली सूर्यभान सिंह ने कड़ा रुख अपनाया है। डीईओ ने शा कन्या वि बैढ़न, उमावि निवास एवं सूदा प्रभारी प्राचार्य को नोटिस जारी किया है।

डीईओ के द्वारा जारी कारण बताओ सूचना पत्र में स्पष्ट किया गया है कि शासन के निर्देशानुसार 31 मार्च तक नामांकन प्रक्रिया पूर्ण की जानी थी, लेकिन कई विद्यालयों द्वारा अब तक लक्ष्य पूरा नहीं किया गया है। जारी नोटिस में उल्लेख है कि आज दिन शनिवार को आयोजित विभागीय समीक्षा बैठक में यह तथ्य सामने आया कि कई विद्यालयों ने एजुकेशन पोर्टल पर जानकारी अपडेट नहीं की है। खासतौर पर कक्षा 8वीं, 9वीं एवं 11वीं में छात्रों का नामांकन अपेक्षाकृत कम पाया गया है, जो कि गंभीर लापरवाही को दर्शाता है। डीईओ ने इसे शासन के आदेशों की अवहेलना बताते हुए नाराजगी जताई है। डीईओ ने संबंधित प्रभारी प्राचार्य अशोक कुमार मिश्रा कन्या बैढ़न, जेपी जायसवाल निवास को निर्देशित किया है कि वे तीन दिवस के भीतर अपना स्पष्ट जवाब प्रस्तुत करें। वहीं सूदा के प्रभारी प्राचार्य नन्दलाल प्रजापति को नोटिस जारी किया है कि आज दिन शनिवार को दोपहर 2 बजे विभागीय समीक्षा हेतु वर्चअल बैठक में पहले शामिल नही हुये और अंतिम समय में जुड़ कर अनावश्यक बाते कर बैठक की कार्रवाई में व्यवधान उत्पन्न किया है।

एक नजर में

उत्कृष्ट विद्यालय चितरंगी में जल मंदिर की हुई स्थापना

सिंगरौली। म.प्र. जन अभियान परिषद जिला सिंगरौली के निर्देशन में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत विकासखंड चितरंगी के नवांकुर सेक्टर में नवांकुर संस्था रामचंद्र सेवा समिति द्वारा शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय चितरंगी के हनुमान मंदिर परिसर में जल मंदिर की स्थापना की गई। जल मंदिर स्थापना का मुख्य उद्देश्य बढ़ती गर्मी और तेज धूप में राहगीरों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराना है। जनसेवा की भावना को ध्यान में रखते हुए यह पहल की गई, जिससे आमजन को राहत मिल सके। कार्यक्रम में सचिव रजनीश साहू एवं संकल्प सेवा समिति के सचिव दिलीप गुप्ता सहित अन्य गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

प्रख्यात ज्योतिषाचार्य पं. भोलानाथ द्विवेदी का निधन

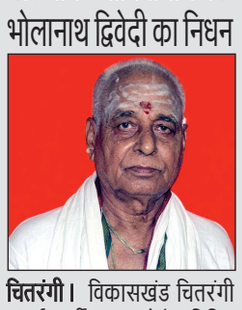

चितरंगी। विकासखंड चितरंगी अंतर्गत बर्दी राजघराने के प्रतिष्ठित एवं प्रकांड विद्वान ज्योतिषाचार्य पंडित भोलानाथ द्विवेदी का आज दिन शनिवार की शाम लगभग 6 बजे निधन हो गया। वे ग्राम खटाई के निवासी थे और लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। पं. श्री द्विवेदी अपनी अद्वितीय ज्योतिष विद्या एवं गहन ज्ञान के लिए क्षेत्रभर में प्रसिद्ध थे। वे जटिल से जटिल समस्याओं का समाधान ज्योतिष के माध्यम से करने में दक्ष थे। बर्दी रियासत के पुस्तैनी पंडित के रूप में उनकी विशेष पहचान रही और उन्होंने वर्षों तक समाज को मार्गदर्शन प्रदान किया।

सरसों और मसूर की फसलों का पुन: पंजीयन व सत्यापन करें : गौरव

कलेक्टर ने की राजस्व कार्यों की गहन समीक्षा

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च । कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में आयोजित महत्वपूर्ण बैठक में राजस्व अधिकारियों के राजस्व कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई ।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि नामांतरण, बंटवारा और सीमांकन जैसे प्रकरणों का निराकरण तय समय सीमा के भीतर किया जाए। साथ ही इन प्रकरणों का निराकरण पूरी गुणवत्ता के साथ किया जाए। कलेक्टर ने विभिन्न तहसीलों में लंबित राजस्व मामलों की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि राजस्व न्यायालयों में लंबित मामलों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाया जाए, ताकि आम जनता को बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। कलेक्टर ने किसान पंजीयन सत्यापन एवं गिरदावली की समीक्षा करते हुए निर्देशित किया कि सभी उपखंड अधिकारी अपने क्षेत्र अंतर्गत सरसों और मसूर की फसलों के किए गए पंजीयन का पुन: सत्यापन करें तथा जांच करें कि कोई भी चना, मसूर एवं सरसों की अवैध रूप से उपार्जन केन्द्रों के माध्यम से बिक्री न कर पाए, इस पर कड़ी निगरानी रखे। कलेक्टर ने जिले में एलपीजी सिलेंडर, पेट्रोल और डीजल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डिस्ट्रीब्यूटर्स और एजेंसियों के साथ बैठक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्व अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि क्षेत्र में ईंधन की कालाबाजारी न हो। सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने निर्देशित किया कि दर्ज शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण निराकरण किया जाए।

खैरहवा बस्ती में सीवर लाइन के चलते धंसी सड़क, निर्माण गुणवत्ता पर उठे सवाल

ढाई-तीन साल पहले बनी सड़क हुई जर्जर, नगर निगम और ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च। नगर पालिका निगम सिंगरौली के वार्ड क्रमांक 44 खैरहवा बस्ती में आज दिन शनिवार को सड़क धंसने की घटना सामने आई, जिससे क्षेत्रीय लोगों में आक्रोश व्याप्त है। बताया जा रहा है कि सीवर लाइन निर्माण के बाद सड़क की मरम्मत सही तरीके से नहीं की गई, जिसके चलते यह स्थिति उत्पन्न हुई है।

स्थानीय सूत्रों के अनुसार यह सड़क लगभग ढाई से तीन वर्ष पूर्व बनाई गई थी। शुरुआती दौर में सड़क की स्थिति ठीक-ठाक रही, लेकिन समय के साथ इसमें दरारें पड़ने लगीं। लोगों का आरोप है कि सीवर लाइन डालने के दौरान सड़क की खुदाई की गई थी, लेकिन कार्य पूर्ण होने के बाद ठेकेदार द्वारा सड़क को सही ढंग से पुनर्निर्मित नहीं किया गया। केवल पतली सी सीमेंट की परत डालकर औपचारिकता पूरी कर दी गई, जो अब वाहन के दबाव को सहन नहीं कर पाई। क्षेत्रीय नागरिकों ने नगर निगम प्रशासन से मांग की है कि मामले की जांच कर लापरवाह सिवरेज ठेकेदार के खिलाफ कार्रवाई की जाए और सड़क का पुनर्निर्माण कराया जाए। साथ ही भविष्य में इस तरह की लापरवाही न हो, इसके लिए सख्त निगरानी व्यवस्था लागू की जाए।

एक नहीं कई जगह धंसी है सड़क

शनिवार को एक वाहन के गुजरने के दौरान सड़क कई स्थानों पर धंस गई, जिससे बड़ा हादसा होते-होते टल गया। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यदि समय रहते मरम्मत नहीं कराई गई तो भविष्य में गंभीर दुर्घटना हो सकती है। इस घटना ने नगर निगम सिंगरौली के सिवरेज ठेकेदार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि निगम क्षेत्र में ऐसे कई स्थान हैं जहां सीवर लाइन के काम के बाद सड़कों की हालत खराब हो गई है। लोगों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता की अनदेखी की जा रही है और निगरानी का अभाव है। यदि निर्माण कार्य सही मानकों के अनुसार होता, तो इतनी जल्दी सड़क खराब नहीं होती।

रामनवमीं पर सरई से अयोध्या तक आस्था की अनूठी यात्रा

नवभारत न्यूज

सरई 28 मार्च । चैत्र मास की पावन नवमी तिथि पर सम्पूर्ण देश राममय हो उठा और इसी आध्यात्मिक वातावरण में जिले के सरई क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने भी अपनी अटूट आस्था का परिचय देते हुए अयोध्या धाम की पवित्र यात्रा की।

प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव के शुभ अवसर पर सरई से निकले भक्तों का दल अयोध्या पहुंचा, जहां उन्होंने श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ भगवान श्रीराम के दर्शन कर अपने जीवन को धन्य किया। अयोध्या पहुंचकर श्रद्धालुओं ने सर्वप्रथम पवित्र सरयू नदी में स्नान कर आत्मशुद्धि का अनुभव किया। इन सभी दिव्य स्थलों के दर्शन उपरांत भक्तों ने राम जन्मभूमि मंदिर में प्रवेश कर प्रभु श्रीराम के दर्शन कर मंदिर की भव्यता, आध्यात्मिक ऊर्जा और दिव्यता ने सभी श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। हर ओर गूंजते जय श्रीराम के जयघोष ने वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस धार्मिक यात्रा में सरई क्षेत्र से श्यामलाल जायसवाल, मदन जायसवाल, पंकज दुबे, सुमन सिंह, नागेन्द्र जायसवाल, लालकुवर जायसवाल सहित अन्य शामिल रहे।

कांग्रेस प्रदेश महासचिव का दो दिवसीय दौरा कल से

नवभारत न्यूज

चितरंगी 28 मार्च। म.प्र. कांग्रेस की प्रदेश महासचिव एवं जिला कांग्रेस सिंगरौली प्रभारी कविता पाण्डेय का 30 व 31 मार्च को सिंगरौली दौरा प्रस्तावित है। दो दिवसीय इस दौरे में वे जिले के विभिन्न क्षेत्रों में बैठकों, सम्मान समारोह और धरना-घेराव जैसे कार्यक्रमों में शामिल होंगी।

जारी कार्यक्रम के अनुसार 30 मार्च को सुबह 9:30 बजे सिंगरौली आगमन के बाद 10 बजे बरगवां में नगर परिषद व ब्लॉक स्तर के पंचायत कांग्रेस पदाधिकारियों की बैठक लेंगी। इसके बाद 11 बजे खुटार में भी पंचायत कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों के साथ बैठक कर संगठनात्मक समीक्षा करेंगी। दोपहर 12 बजे बैढ़न में नव नियुक्त जिला पदाधिकारियों के सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वहीं दोपहर 2:30 बजे जिला समन्वय समिति की बैठक तथा 3 बजे बिजली विभाग कार्यालय बैढ़न में आयोजित धरना एवं घेराव कार्यक्रम में भाग लेंगी।

हमारी कार्यशैली एवं विचारधारा हर कार्यकर्ता तक पहुंचे : विजय

दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान मे बोले प्रदेश संयोजक

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च । भाजपा के पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान कार्यक्रम के बैढ़न मंडल के उद्घाटन सत्र में रीवा संभाग के संगठन प्रभारी एवं प्रशिक्षण महाभियान के प्रदेश संयोजक विजय दुबे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण सत्र के शुभारंभ में अभियान के रीवा संभाग के प्रभारी केके तिवारी, लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा, भाजपा के जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह, विधायक रामनिवास शाह, ननि अध्यक्ष देवेश पांडेय, प्रशिक्षण अभियान के जिले के संयोजक राजकुमार दुबे, सह संयोजक विक्रम सिंह, पूर्व महापौर प्रेमवती खैरवार, महिला मोर्चा की प्रदेश मंत्री सीमा जायसवाल समेत अन्य मंचासीन रहे। प्रशिक्षण वर्ग में स्वागत उद्बोधन एवं प्रस्तावना विधायक रामनिवास शाह ने प्रस्तुत किया। प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ पर अपना उद्बोधन देते हुए विजय दुबे ने कहा कि हमारी कार्यशैली एवं विचारधारा हर कार्यकर्ता तक पहुंचे, यहीं महाभियान का मुख्य उद्देश्य है।

साथ ही कहा कि कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण का यह अभियान सीमित नहीं है, आज केवल चुनावी राज्यों को छोड़कर अखिल भारतीय स्तर पर यह अभियान चल रहा है। वहीं लोकसभा सांसद डॉ. राजेश मिश्रा ने भी संबोधित किया।

हिन्दी एक सहज, सरल एवं सुग्राह्य भाषा है : संजय

नवभारत न्यूज

रिहंदनगर 28 मार्च । हिन्दी एक सहज, सरल और सुग्राह्य भाषा है, हमें इसे अपने दैनिक कार्यालयीन कार्यों में प्रयोग करना चाहिए । उक्त उद्गार एनटीपीसी रिहंद राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक में समिति अध्यक्ष संजय असाटी ने व्यक्त किए ।

भारत सरकार गृह, मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार राजभाषा कार्यान्वयन समिति की प्रत्येक तिमाही में बैठक अपेक्षित है। उसी अनुक्रम में वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए एनटीपीसी रिहंद विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चौथी बैठक समिति अध्यक्ष संजय असाटी मुख्य महा. एवं परियोजना प्रमुख की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई । इसके पूर्व मानव संसाधन प्रमुख राजेश बोयपाई ने संजय असाटी मुख्य महाप्रबंधक को पुस्तक देकर उनका स्वागत किया । बैठक में हिन्दी पत्राचार, समिति सदस्यों द्वारा हिन्दी में कार्य करना, विभागों में राजभाषा समन्वयकों को नामित करना तथा अन्य मदों पर चर्चा हुई । अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में समिति अध्यक्ष संजय असाटी ने कहा कि विभागीय राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अध्यक्ष के रूप में यह मेरी पहली बैठक है । रिहंद परियोजना भाषायी वर्गीकरण के अनुसार क क्षेत्र में है, अत: हमें राजभाषा विभाग से प्राप्त लक्ष्यों के अनुसार अपना कार्यालयीन कार्य हिन्दी में करना है ।

बैढ़न के आसमान में मंडराए तीन विमान

रीवा-सीधी के बाद सिंगरौली क्षेत्र में भी दिखी हवाई हलचल

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च । आज दिन शनिवार की सुबह करीब 9:30 बजे से 10:15 बजे के बीच बैढ़न क्षेत्र के आसमान में तीन हवाई जहाजों की लगातार आवाजाही ने लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। लगभग 45 मिनट तक आसमान में चक्कर लगाते इन विमानों को देखकर शहरवासी टकटकी लगाए उन्हें निहारते रहे और तरह-तरह की चर्चाएं करते नजर आए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार तीनों विमान बैढ़न इलाके के करीब 50 किलोमीटर के दायरे में परिक्रमा करते हुए दिखाई दिए। यह दृश्य अचानक सामने आने से लोगों में उत्सुकता के साथ-साथ आशंका भी देखने को मिली। गौरतलब है कि इससे पहले रीवा और सीधी जिलों में भी इसी तरह विमानों की गतिविधियां देखी जा चुकी हैं, जिससे इस घटनाक्रम को लेकर चर्चाएं और तेज हो गई हैं। स्थानीय लोगों के बीच इस बात को लेकर कयास लगाए जा रहे हैं कि यह किसी प्रकार का सुरक्षा अभ्यास हो सकता है, जिसमें हवाई मार्ग और सुरक्षा मापदंडों की जांच की जा रही हो। वहीं कुछ लोग इसे अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रम से जोड़ते हुए अमेरिका, ईरान और इसराइल के बीच चल रहे तनाव के संदर्भ में भी देख रहे हैं।

ऑपरेशन विवाद में नया मोड़, महिला चिकित्सक ने आरोपों को बताया निराधार

बेबुनियाद आरोपों से छवि धूमिल करने की साजिश का आरोप, मेडिकल रिकॉर्ड के आधार पर डॉक्टर का दावा, मरीज थी पूरी तरह स्वस्थ

नवभारत न्यूज

सिंगरौली 28 मार्च। नेहरू शताब्दी चिकित्सालय जयंत में प्रसूता के ऑपरेशन को लेकर उपजे विवाद में अब नया मोड़ आ गया है। पार्षद परमेश्वर पटेल द्वारा लगाए गए आरोपों पर गायनिक विशेषज्ञ डॉ. नेहा सिंह ने विस्तार से जवाब देते हुए सभी आरोपों को पूरी तरह बेबुनियाद बताया है। उन्होंने कहा कि बिना ठोस तथ्यों के लगाए गए आरोप उनकी छवि को धूमिल करने की साजिश का हिस्सा हैं।

डॉ. नेहा सिंह ने अपना पक्ष रखते हुये बताया कि कंचन कुमारी 9 मार्च को प्रसव के लिए अस्पताल में भर्ती हुई थीं, जहां उसी दिन इन्ही के साथ कुल पांच महिलाओं का इमरजेंसी सफल ऑपरेशन किया गया था। 10 मार्च को आवश्यक कार्य के चलते मुझे अवकाश लेकर दिल्ली जाना पड़ा। इस दौरान 10 एवं 11 मार्च को वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. महेश सिंह जी ने मरीज सहित भर्ती महिलाओं का परीक्षण किया और उनकी स्थिति सामान्य पाई गई। उन्होंने बताया कि इसी बीच डॉ. महेश सिंह के घर में अचानक कैजुअल्टी होने के कारण उन्हें अवकाश लेना पड़ा, इसके बाद 12 मार्च को डॉ. वंदना ने अवकाश पर होने के बावजूद आकर मरीजों को देखा। 13 मार्च को अस्पताल में गायनिक विशेषज्ञों के कतिपय कारणों से न रहने के कारण केन्द्रीय चिकित्सालय सिंगरौली में कार्यरत चिकित्सक डॉ. प्रियंका सिंह की ड्यूटी लगाई गई, जिन्होंने कंचन सहित अन्य मरीजों का परीक्षण किया। सभी मरीज सामान्य थे। इधर डॉ. नेहा सिंह 13 मार्च को जयंत वापस लौटीं और नवजात शिशु कुकी में होने के कारण 14 मार्च का `डिस्चार्ज किया गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी चिकित्सक द्वारा मरीज की हालत गंभीर नहीं बताई गई और सभी मेडिकल रिकॉर्ड इस बात की पुष्टि करते हैं। डॉ. सिंह ने पार्षद परमेश्वर पटेल पर बिना तथ्य जांचे आरोप लगाने और मीडिया के माध्यम से भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि न तो वे मरीज को व्यक्तिगत रूप से जानती हैं और न ही कोई निजी विवाद है, इसके बावजूद इस तरह के आरोप लगाना दुर्भावना को दर्शाता है। उन्होंने पूरे मामले की निष्पक्ष मेडिकल टीम से जांच कराने की मांग करते हुए कहा कि यदि वे दोषी पाई जाती हैं तो कार्रवाई हो, अन्यथा झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ न्यायालय की शरण लूंगी।

शिकायत की टाइम लाइन और चिकित्सकीय कारणों पर उठे सवाल

पार्षद द्वारा दिए गए शिकायत पत्र में उल्लेख किया गया है कि 15 मार्च को परिजन कंचन कुमारी को लेकर कोलकाता के एक नर्सिंग होम में इलाज के लिए रवाना हो गए थे, जहां 18 को सीटी स्कैन और अन्य जांच कराई गई। लेकिन संलग्न दस्तावेजों में बैढ़न स्थित अल्ट्रासाउंड सेंटर की रिपोर्ट में 16 मार्च को कराया और अल्ट्रासाउंड के रिपोर्ट में कहीं भी खून का थक्का का जिक्र नही है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब 15 मार्च को ही कोलकाता के लिए रवाना हो चुके थे, बैढ़न में 16 मार्च को अल्ट्रासाउंड कैसे कराया गया। यह विरोधाभास शिकायत की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े कर रहा है। चिकित्सको के अनुसार ब्लड क्लॉटिंग जैसी समस्या कई परिस्थितियों में उत्पन्न हो सकती है। जैसे लंबी दूरी की यात्रा के दौरान लगातार झटके लगना, उबड़-खाबड़ सड़कों पर सफर करना, भारी वजन उठाना या शरीर पर अचानक दबाव पड़ना ये सभी कारण ऐसी स्थिति को जन्म दे सकते हैं।